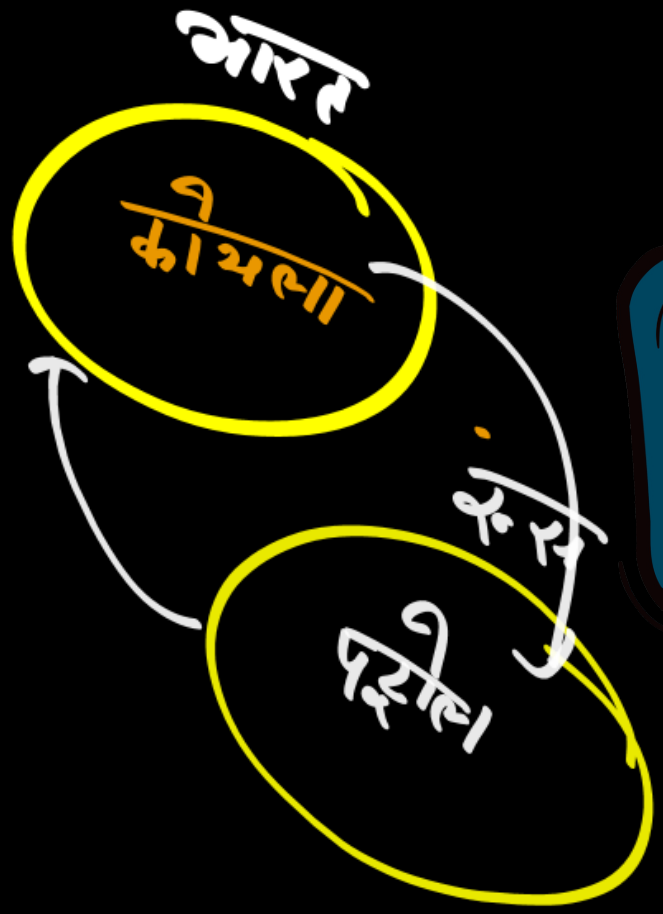

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN
12th GEOGRAPHY
ई-पाठशाला
अंतर्राष्ट्रीय व्यापार
ONE SHOT
01 OCT 2026 | 5:00 PM
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



अंतर्राष्ट्रीय व्यापार : परिचय

- अंतर्राष्ट्रीय व्यापार सभी देशों के लिए परस्पर लाभदायक है।
- कारण : कोई भी देश पूर्णतः आत्मनिर्भर नहीं है।
- हाल के वर्षों में भारत के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में तीन प्रमुख स्तरों पर आमूल परिवर्तन हुए हैं-
  - मात्रा
  - संघटन

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

GATT

I

अस्थाई संस्था

⇓

W.T.O

(विश्व व्यापार संगठन)

→ स्थापना - 1 Jan 1995

→ H.Q → जिनेवा

→ कार्य → अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार को बढ़ावा देना

↳ समस्याओं का समाधान करना।

- विश्व व्यापार की कुल मात्रा में भारत की भागीदारी लगभग 1 प्रतिशत बताई गई है।
- इसके बावजूद विश्व अर्थव्यवस्था में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका है।

mg

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

भारत के विदेशी व्यापार में तीव्र वृद्धि

भारत के विदेशी व्यापार में वृद्धि

तीव्र वृद्धि के प्रमुख कारण

विदेशी व्यापार में वृद्धि

- विनिर्माण क्षेत्र में संवेगी/गतिशील उठान
- सरकार की उदार नीतियाँ
- बाजारों की विविधरूपता

➤ समय के साथ भारत के विदेशी व्यापार की प्रकृति में परिवर्तन हुआ।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- आयात और निर्यात दोनों की मात्रा बढ़ी।
- किंतु निर्यात की तुलना में आयात का मूल्य अधिक रहा।

(+) आयात - निर्यात = नकारात्मक। (प्रतिकूल)

(-) आयात - निर्यात (+) → सकारात्मक (अनुकूल)

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

mg missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

भारत का विदेश व्यापार एवं व्यापार संतुलन

वर्ष	निर्यात (₹ करोड़)	आयात (₹ करोड़)	व्यापार संतुलन (₹ करोड़)
2004-05	3,75,340	5,01,065	-1,25,725
2009-10	8,45,534	13,63,736	-5,18,202
2013-14	19,05,011	27,15,434	-8,10,423
2016-17	18,52,340	25,77,422	-7,25,082
2021-22	31,47,02	45,72,775	-14,25,753

2021-22

कुल
31,47,02

आयात
45,72,775

निर्यात
14,25,753

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

प्रमुख प्रवृत्ति

- आयात > निर्यात → व्यापार संतुलन ऋणात्मक
- 2021-22 में व्यापार संतुलन
- = -₹14,25,753 करोड़

→ आयात > निर्यात = व्यापार संतुलन ऋणात्मक।

→ 2021-22 में व्यापार संतुलन = − 14,25,753 करोड़

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

भारत के निर्यात-संघटन का बदलता प्रारूप



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

निर्यात

निर्यात संघटन, 2015-2022

वस्तुएँ/माल	2015-16	2016-17	2020-21	2021-22
कृषि एवं समवर्गी उत्पाद	12.6%	12.3%	14.3%	11.9%
अयस्क एवं खनिज	1.6%	1.9%	3.2%	2.0%
विनिर्मित वस्तुएँ	72.9%	73.6%	71.2%	67.8%
पेट्रोलियम व अपरिष्कृत उत्पाद	11.9%	11.7%	9.2%	16.4%
अन्य वस्तुएँ	1.1%	0.5%	2.1%	1.9%

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

प्रमुख परिवर्तन

- हिस्सेदारी में कमी
  - कृषि एवं समवर्गी उत्पाद
  - विनिर्मित वस्तुएँ
- हिस्सेदारी में वृद्धि
  - पेट्रोलियम एवं अपरिष्कृत उत्पाद
  - अन्य वस्तुएँ
- लगभग स्थिर
  - अयस्क एवं खनिज

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

पारंपरिक निर्यात वस्तुओं में परिवर्तन

पारंपरिक वस्तुओं में गिरावट का मुख्य कारण

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कड़ी अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा



कृषि निर्यात

- गिरावट
  - काजू आदि पारंपरिक वस्तुएँ
- वृद्धि
  - फूलों की खेती से जुड़े उत्पाद
  - ताजे फल

पारंपरिक वस्तुएं (गिरावट)

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- समुद्री उत्पाद
  - चीनी

वर्ष 2021-22 में कुल निर्यात मूल्य में विनिर्माण क्षेत्र की हिस्सेदारी 67.8% थी।

चीन तथा अन्य पूर्व एशियाई देश भारत के प्रमुख प्रतिस्पर्धी हैं।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

mg missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- भारत के विदेश व्यापार में मणि-रत्न एवं आभूषणों की व्यापक हिस्सेदारी है।



भारत में अन्तर्राष्ट्रीय मण्डी
मणि-रत्न व आभूषण
जयपुर

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

2021-22 में प्रमुख निर्यात वस्तुएँ

वस्तु	मूल्य (₹ करोड़)
कृषि एवं समवर्गी उत्पाद	3,75,742
अयस्क एवं खनिज	63,754
विनिर्मित वस्तुएँ	21,32,296
खनिज ईंधन और स्नेहक	5,15,310

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

निर्यात संरचना का सार

- विनिर्मित वस्तुएँ
  - निर्यात में प्रमुख स्थान
- इसके बाद
  - खनिज ईंधन एवं स्नेहक
  - कृषि एवं समवर्गी उत्पाद
  - अयस्क एवं खनिज

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

भारत के आयात-संघटन का बदलता प्रारूप



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

15 Aug 1947

भारत स्वतन्त्र

खाद्यान्न कमी

खाद्यान्न पूर्ति

1950 एवं 1960 के दशक

भारत ने खाद्यान्नों की गंभीर कमी का अनुभव किया।

- प्रमुख आयात
  - खाद्यान्न
  - पूँजीगत माल
  - मशीनरी
  - उपस्कर

1966-67

हरित क्रान्ति

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

mg missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- **स्थिति**
  - आयात प्रतिस्थापन के प्रयासों के बावजूद-
  - आयात > निर्यात
  - इसलिए भुगतान संतुलन विपरीत था।



आयात > निर्यात ∴ भुगतान संतुलन विपरीत।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

1970 के दशक के बाद परिवर्तन



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

हरित क्रांति की सफलता

1

प्रभावी फसल → चावल, गेहूँ

प्रभावी राज्य → पंजाब, हरियाणा, प० उत्तरप्रदेश

खाद्यान्नों का आयात → बंद

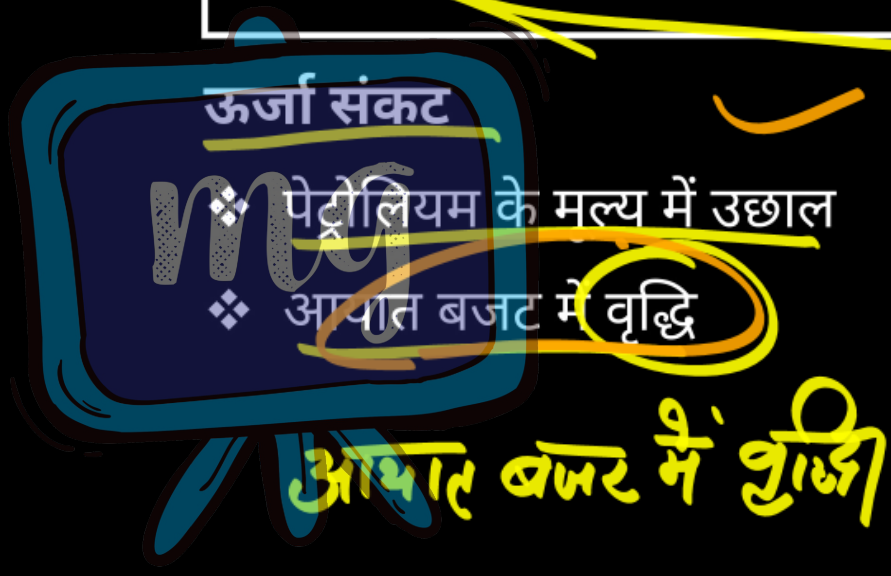
हरित क्रांति का जनक - M.S. स्वामी नाथन

प्रारंभ - 1966-67

→ कार्य → हाइब्रिड बीजों का प्रयोग

खाद्यानों का अधिकाधिक उत्पादन बढ़ाना

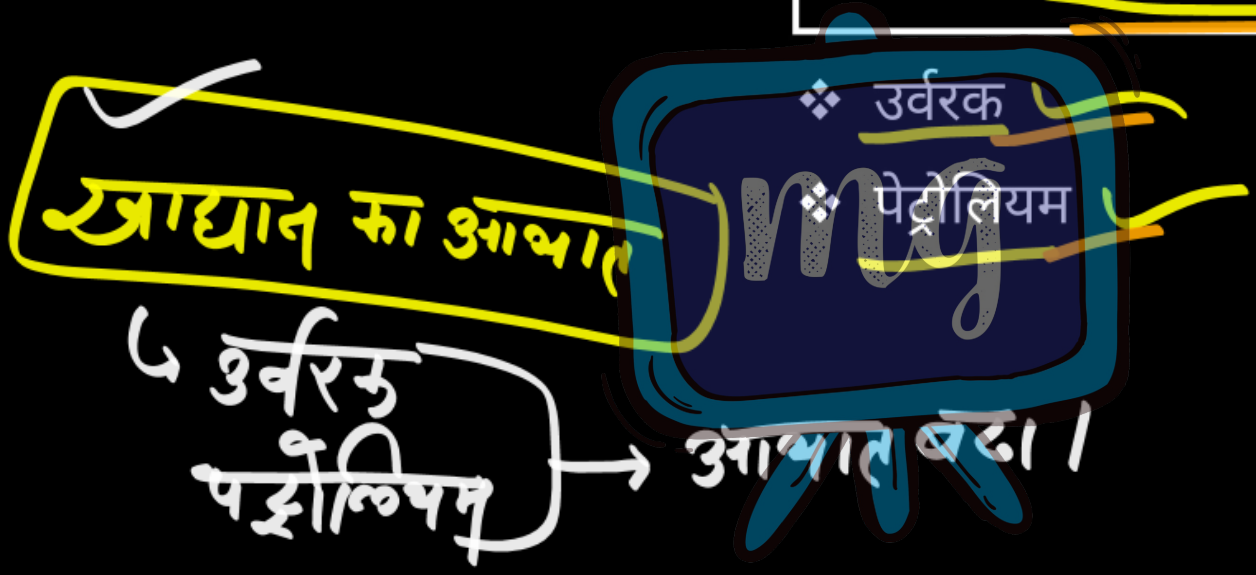
1973 का ऊर्जा संकट



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

खाद्यान्न के स्थान पर प्रमुख आयात



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

आयात व्यापार की अन्य प्रमुख वस्तुएँ

- मशीन एवं उपस्कर
- विशेष स्टील
- खाद्य तेल
- रसायन

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

आयात की प्रमुख प्रवृत्तियाँ



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

mg missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

पेट्रोलियम उत्पादों के आयात में वृद्धि

- पेट्रोलियम का उपयोग—
  - पेट्रोलियम
    - ईंधन
    - औद्योगिक कच्चा माल
- इसकी वृद्धि संकेत करती है—
  - बढ़ता औद्योगीकरण
  - बेहतर जीवन स्तर

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

अन्य प्रवृत्तियाँ

- पूँजीगत वस्तुओं के आयात में लगातार गिरावट।
- खाद्य एवं संबद्ध उत्पादों के आयात में गिरावट।

पूँजीगत वस्तु
मशीन



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

आयात
एवं
खरीदना

अन्य प्रमुख आयात

- मोती
- बहुमूल्य एवं अल्प मूल्य रत्न
- सोना
- चाँदी
- अलौह धातुएँ

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कौन-कौनसी वस्तुएं

भारत का आयात संघटन, 2015-2022

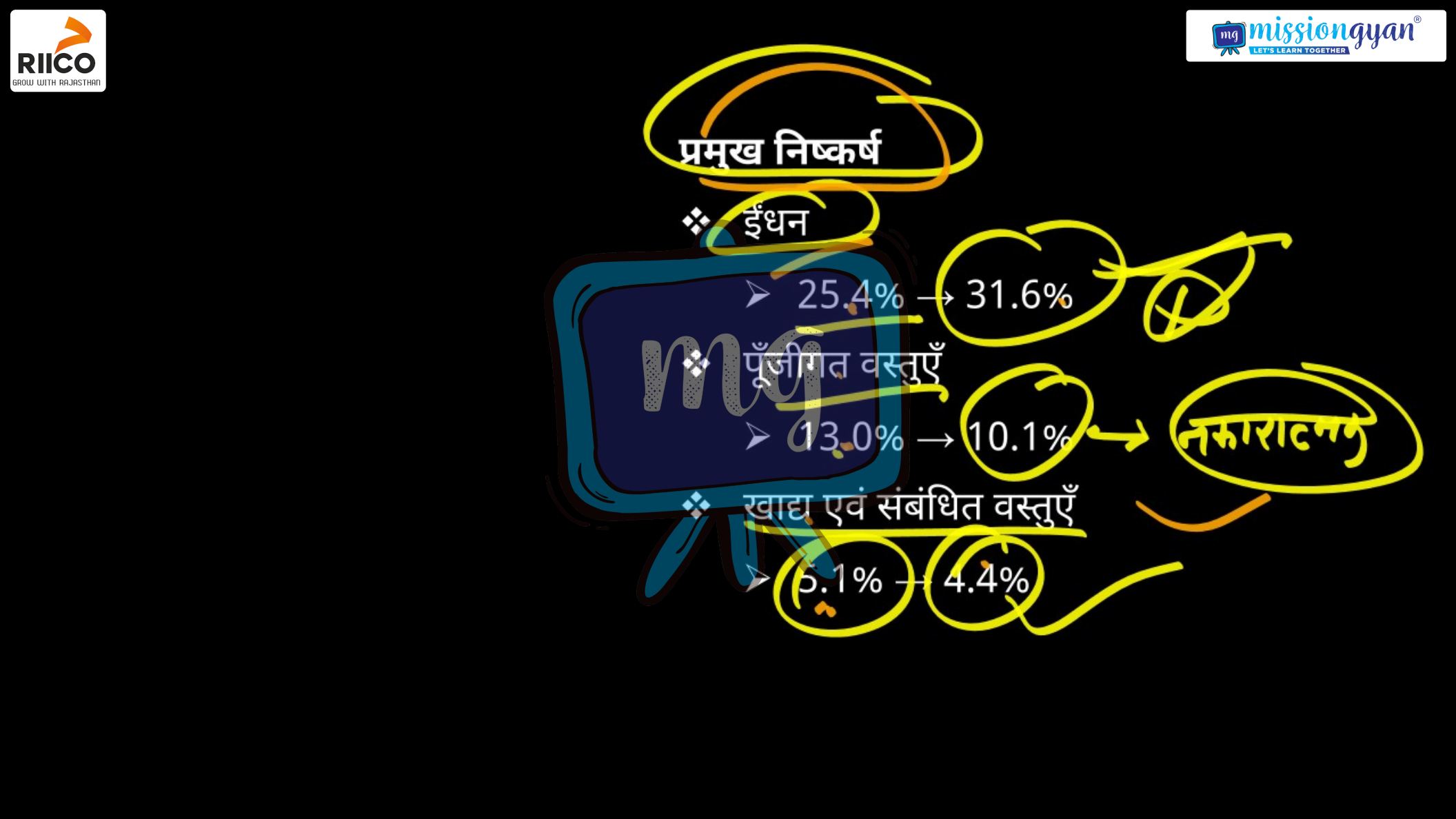
उपयोगी वस्तुएँ	2015-16	2016-17	2020-21	2021-22
खाद्य एवं संबंधित वस्तुएँ	5.1%	5.6%	4.5%	4.4%
ईंधन (कोयला, पीओएल)	25.4%	26.7%	25.1%	31.6%
उर्वरक	2.1%	1.3%	1.9%	2.3%
पेपरबोर्ड विनिर्मित एवं अखबारी कागज	0.8%	0.9%	0.8%	0.7%

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

भारत का आयात संघटन, 2015-2022

उपयोगी वस्तुएँ	2015-16	2016-17	2020-21	2021-22
पूँजीगत वस्तुएँ	13.0%	13.6%	12.7%	10.1%
अन्य	38.1%	37.0%	41.6%	38.5%


प्रमुख निष्कर्ष
ईंधन
25.4% → 31.6%
पूँजीगत वस्तुएँ
13.0% → 10.1%
गिरावट
खाद्य एवं संबंधित वस्तुएँ
5.1% → 4.4%

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

2021-22 प्रमुख आयात वस्तुएँ।

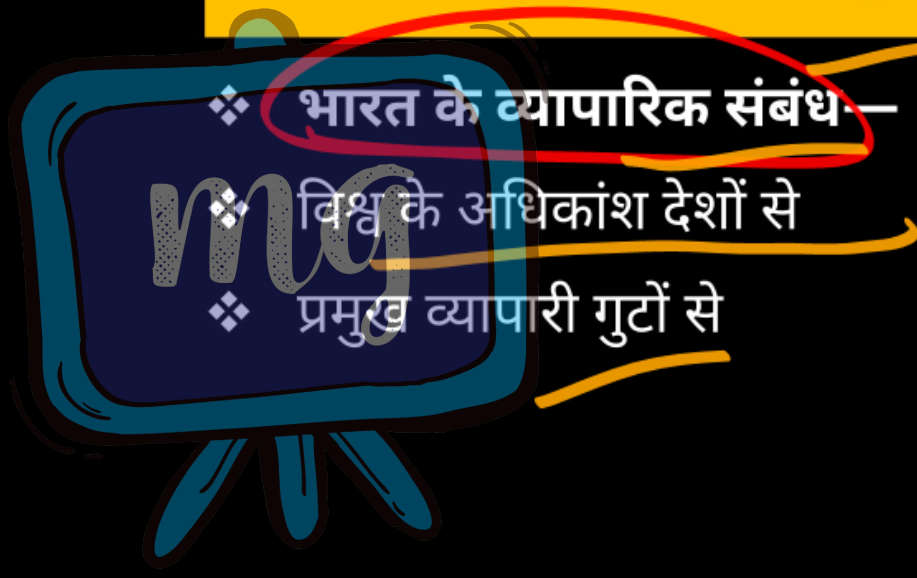
① पेट्रोलियम एवं उत्पाद।

वर्ष 2021-22 की कुछ प्रमुख आयात वस्तुएँ	
वस्तु	मूल्य (₹ करोड़)
पेट्रोलियम एवं [illegible]	12,07,803
अलौह धातुएँ	4,99,766
रासायनिक उत्पाद	3,08,882
मोती, बहुमूल्य एवं अल्प मूल्य रत्न	2,31,279
खाद्य तेल	1,41,532
उर्वरक एवं उर्वरक विनिर्माण	1,05,796
लोहा एवं इस्पात	94,053
चिकित्सीय एवं भेषजीय उत्पाद	67,545
[illegible]	[illegible]

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

व्यापार की दिशा



- भारत के व्यापारिक संबंध—
- विश्व के अधिकांश देशों से
- प्रमुख व्यापारी गुटों से

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

भारत के आयात व्यापार की क्षेत्रीय दिशा

क्षेत्र	2016-17 (₹ करोड़)	2021-22 (₹ करोड़)
यूरोप	4,03,972	6,40,577
अफ्रीका	1,93,327	3,68,156
उत्तरी अमेरिका	1,95,332	3,78,041
लैटिन अमेरिका	1,15,762	1,61,995
एशिया एवं आसियान	15,44,520	29,18,577

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में हिस्सेदारी बढ़ाने के उपाय



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

भारत के P.M- P.V. नरसिम्हाराव।
भारत के वित्त मंत्री ने मनमोहन सिंह।

जुलाई 1991

नई औद्योगिक नीति

उदारीकरण
निजीकरण
वैश्वीकरण।

भारत का उद्देश्य

आगामी पाँच वर्षों में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में अपनी हिस्सेदारी को दुगुना करना

इसके लिए अपनाए गए उपाय

- व्यापार विस्तार
  - आयात उदारीकरण
  - आयात करों में कमी
  - डि-लाइसेंसिंग / विअनुज्ञाकरण

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

भारत के विदेशी व्यापार के प्रमुख मार्ग

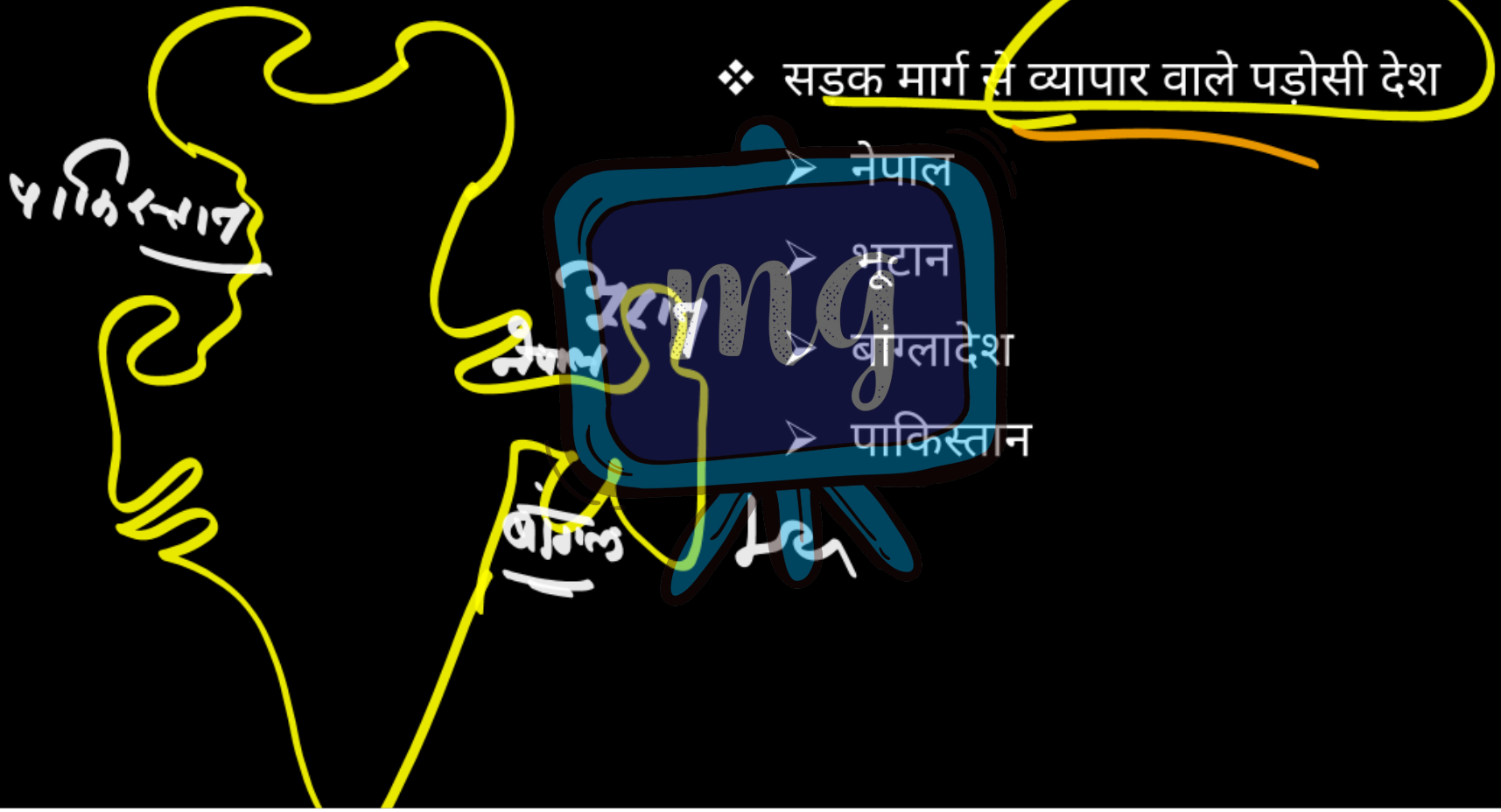
भारत का अधिकांश विदेशी व्यापार—

- विदेशी व्यापार
  - i. समुद्री मार्ग
  - ii. वायु मार्ग
  - iii. सड़क मार्ग

① समुद्री मार्ग
② वायु मार्ग
③ सड़क मार्ग

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- सड़क मार्ग से व्यापार वाले पड़ोसी देश
  - नेपाल
  - भूटान
  - बांग्लादेश
  - पाकिस्तान

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

समुद्री पत्तन – अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के प्रवेश द्वार



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



भारत की भौगोलिक अनुकूलता

- भारत तीन ओर से समुद्र से घिरा है।
- भारत को लंबी तटरेखा प्राप्त है।
- जल परिवहन के लिए सस्ता एवं सपाट तल उपलब्ध कराता है।
- भारत में समुद्री यात्राओं की लंबी परंपरा रही है।

विशेष तथ्य – भारत में

- पूर्वी तट की तुलना में पश्चिमी तट पर अधिक पत्तन

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

mg missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

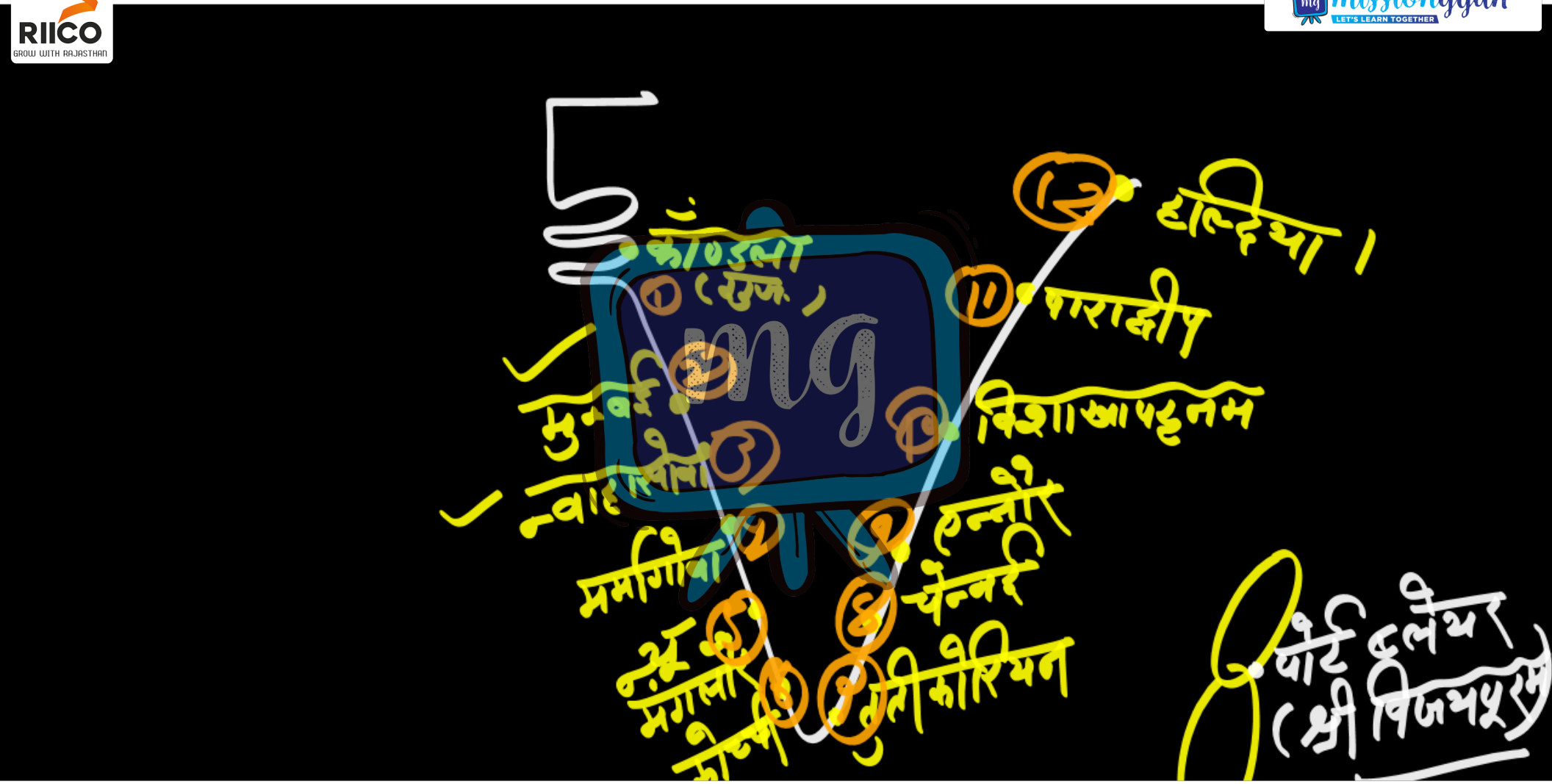
भारतीय पत्तनों का विकास

ऐतिहासिक विकास

- प्राचीन काल
  - पत्तनों का उपयोग पहले से होता रहा।
- यूरोपीय व्यापारियों एवं अंग्रेजों के आगमन के बाद
  - पत्तन अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के प्रवेश द्वार के रूप में अधिक महत्त्वपूर्ण बने।
  - पत्तनों के आकार एवं गुणवत्ता में विविधता

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

mg missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

प्रशासन

- प्रमुख पत्तन
  - केंद्र सरकार
    - नीतियाँ एवं नियामक क्रियाएँ
- छोटे पत्तन
  - राज्य सरकारें
    - नीतियाँ एवं नियामक क्रियाएँ

- प्रमुख पत्तन कुल यातायात के बड़े हिस्से का निपटान करते हैं।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



औपनिवेशिक काल में पत्तनों की भूमिका

अंग्रेजों ने पत्तनों का उपयोग–

पृष्ठप्रदेशों के संसाधनों के अपशोषण केंद्र के रूप में

- रेलवे विस्तार की भूमिका

स्थानीय बाजार

↓

क्षेत्रीय बाजार

↓

राष्ट्रीय बाजार

↓

अंतर्राष्ट्रीय बाजार



विभाजन का प्रभाव

- भारत से दो महत्त्वपूर्ण पत्तन अलग हुए—
  - कराची → पाकिस्तान
  - चिटगाँव → तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान, अब बांग्लादेश
- क्षतिपूर्ति हेतु विकास
  - पश्चिम में — कांडला (गुजरात)
  - पूर्व में — डायमंड हार्बर

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

स्वतंत्रता के बाद भारतीय पत्तनों का विकास

भारतीय पत्तनों में निरंतर वृद्धि हुई।

- वे विशाल मात्रा में–
  - घरेलू व्यापार
  - विदेशी व्यापार

का निपटान करते हैं।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

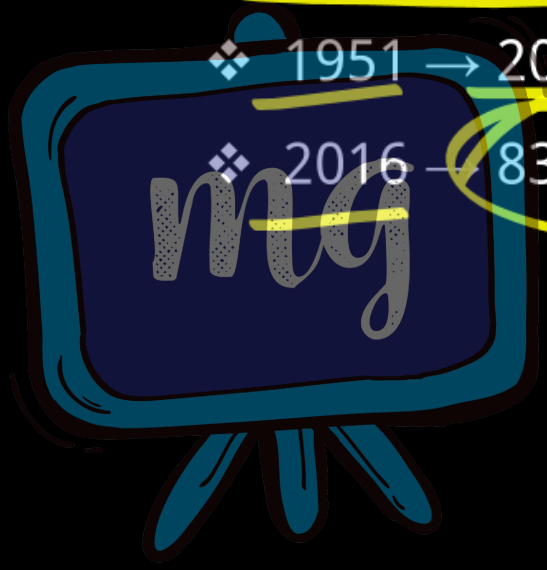
- अधिकांश पत्तन आधुनिक अवसंरचना से लैस हैं।
- प्रारंभ में विकास एवं आधुनिकीकरण की जिम्मेदारी सरकारी अभिकरणों पर थी।
- बाद में अंतर्राष्ट्रीय स्तर के पत्तनों के समकक्ष बनाने हेतु निजी उद्यमियों को भी आमंत्रित किया गया।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

तौभार निपटान क्षमता

- 1951 → 20 मिलियन टन
- 2016 → 837 मिलियन टन से अधिक



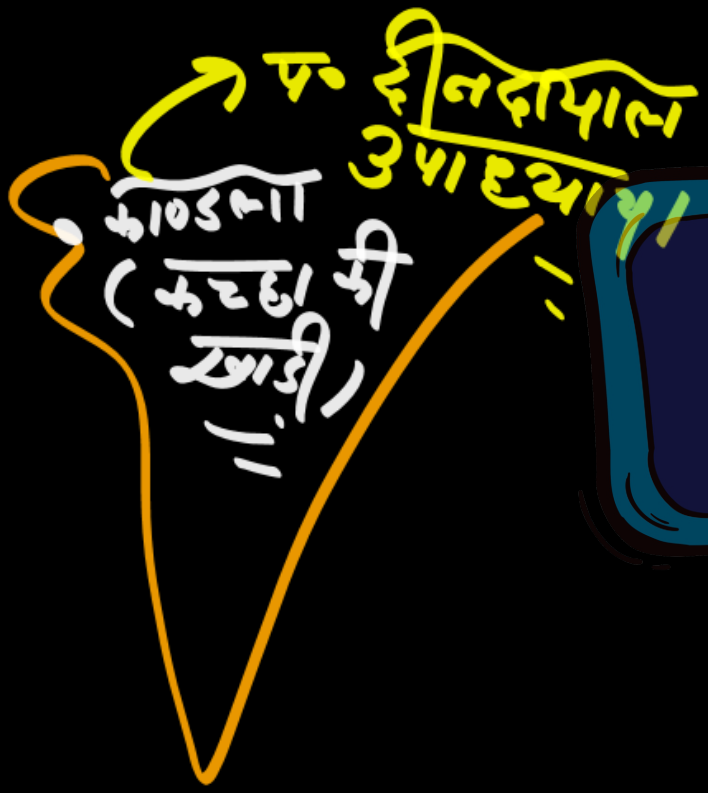
पृष्ठप्रदेश (Hinterland)

- पृष्ठप्रदेश की सीमाओं का चिह्नांकन कठिन होता है।
- इसका क्षेत्र सुनिश्चित नहीं होता।
- कई मामलों में एक पत्तन का पृष्ठप्रदेश दूसरे पत्तन के पृष्ठप्रदेश से अतिव्यापन कर सकता है।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



भारत के प्रमुख पत्तन

(I) दीनदयाल पत्तन / कांडला पत्तन

❖ अवस्थिति

- कच्छ की खाड़ी के मुहाने पर।

❖ विकास का उद्देश्य

- पश्चिमी एवं उत्तर-पश्चिमी भारत की आवश्यकताओं को पूरा करना।
- मुंबई पत्तन का दबाव कम करना।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- प्रमुख नौभार
  - पेट्रोलियम
  - पेट्रोलियम उत्पाद
  - उर्वरक
- सहायक व्यवस्था
  - वाडीनार में अपतटीय टर्मिनल विकसित।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

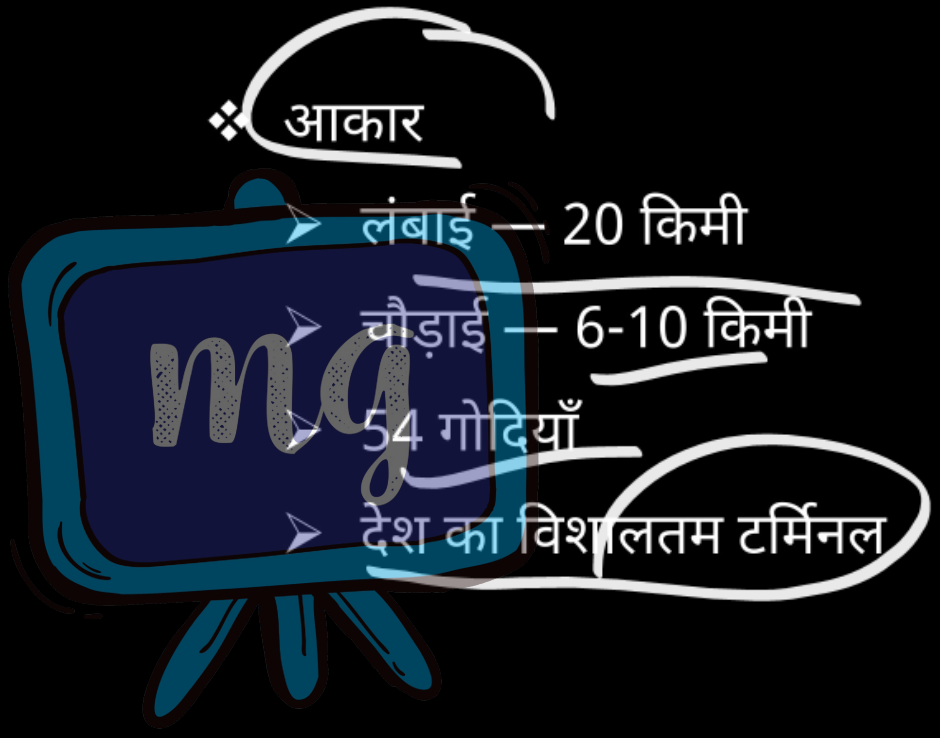


(II) मुंबई पत्तन

- प्राकृतिक पत्तन
- देश का सबसे बड़ा पत्तन
- सामान्य मार्ग के निकट स्थित—
  - मध्यपूर्व
  - भूमध्य सागरीय देश
  - उत्तरी अफ्रीका
  - उत्तर अमेरिका
  - यूरोप

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

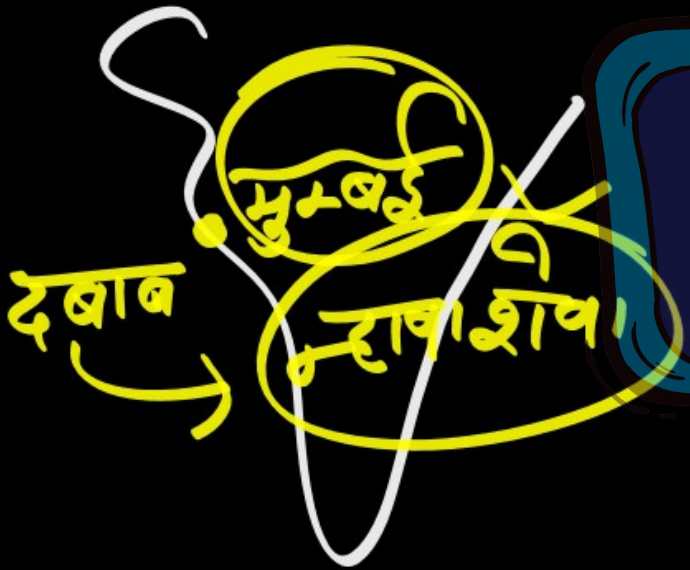


RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

(III) जवाहरलाल नेहरू पत्तन

- अवस्थिति — न्हावा-शेवा
- मुंबई पत्तन के दबाव को कम करने हेतु विकसित।
- मुंबई का अनुषंगी पत्तन।
- भारत का विशालतम कंटेनर पत्तन।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

(IV) मुरगाँव पत्तन

- जुआरी नदीमुख के मुहाने पर।
- गोवा का प्राकृतिक बंदरगाह।
- 1961 के पुनःप्रतिरूपण के बाद महत्त्व बढ़ा।
- प्रमुख कार्य—जापान को लौह-अयस्क निर्यात।
- कोंकण रेलवे से पृष्ठप्रदेश का विस्तार।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- अन्य वस्तुएँ
  - उर्वरक
  - पेट्रोलियम उत्पाद
  - खाद्य तेल
  - कॉफी
  - चाय
  - लुगदी
  - सूत

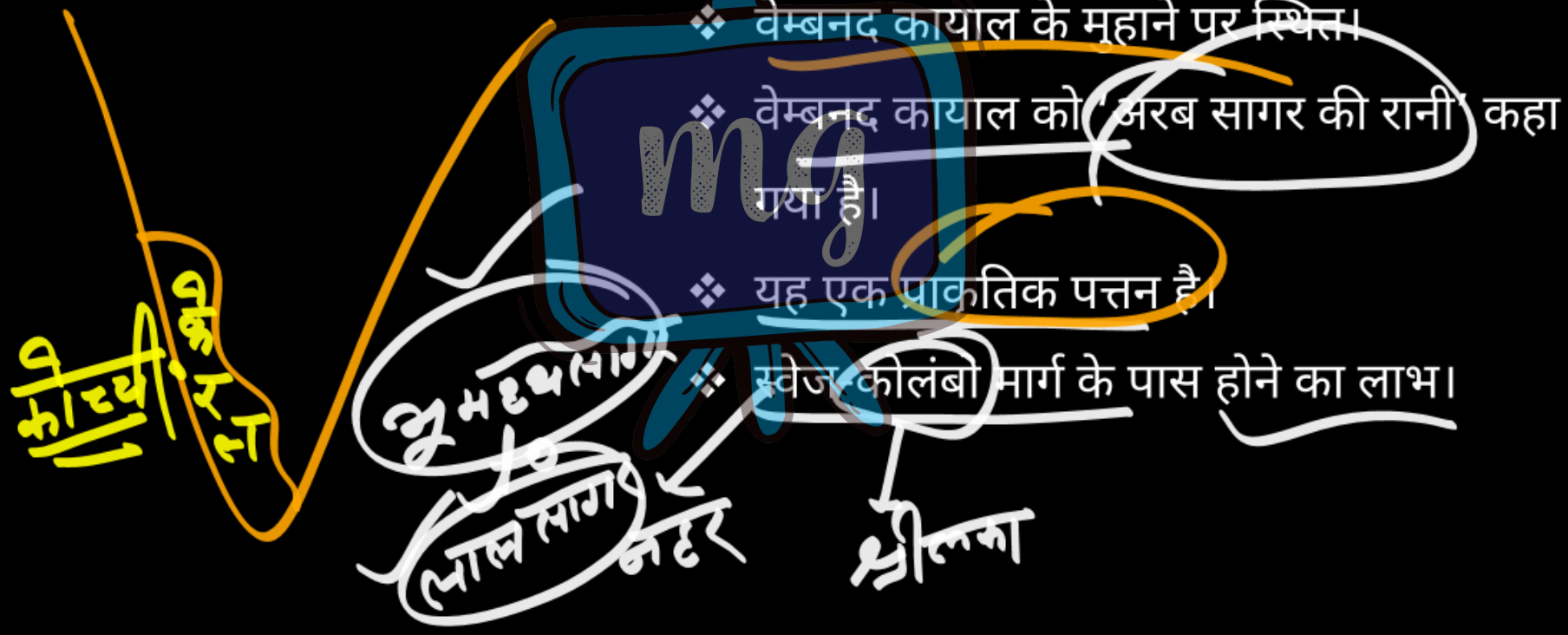

ग्रेनाइट पत्थर
शीरा
पम्पल पृष्ठप्रदेश
कर्नाटक

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

(VI) कोच्चि पत्तन

- वेम्बनद कायाल के मुहाने पर स्थित।
- वेम्बनद कायाल को 'अरब सागर की रानी' कहा गया है।
- यह एक प्राकृतिक पत्तन है।
- स्वेज-कोलंबो मार्ग के पास होने का लाभ।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- पृष्ठप्रदेश / सेवा क्षेत्र
  - केरल
  - दक्षिणी कर्नाटक
  - दक्षिण-पश्चिमी तमिलनाडु

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



(VII) श्यामा प्रसाद मुखर्जी कोलकाता पत्तन

- अवस्थिति
  - हुगली नदी पर।
  - बंगाल की खाड़ी से 128 किमी स्थल के अंदर।
- विकास
  - अंग्रेजों द्वारा विकसित।
  - ब्रिटिश भारत की राजधानी होने का प्रारंभिक लाभ।

❖ सार्थकता में कमी के कारण

➤ निर्यात का दिक्परिवर्तन—

- विशाखापट्टनम
- पारादीप
- हल्दिया

❖ प्रमुख समस्या

➤ हुगली नदी द्वारा लाई गई गाद।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- पृष्ठप्रदेश
  - उत्तर प्रदेश
  - बिहार
  - झारखंड
  - पश्चिम बंगाल
  - सिक्किम
  - उत्तर-पूर्वी राज्य

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- विशेष भूमिका
  - स्थलरुद्ध पड़ोसी—
    - भूटान
    - नेपाल

    को सुविधा प्रदान करता है।

(VIII) हल्दिया पत्तन

- कोलकाता से 105 किमी अनुप्रवाह पर।
- कोलकाता पत्तन की संकुलता घटाने हेतु निर्मित।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- प्रमुख नौभार
  - लौह-अयस्क
  - कोयला
  - पेट्रोलियम एवं पेट्रोलियम उत्पाद
  - उर्वरक
  - जूट एवं जूट उत्पाद
  - कपास
  - सूती धागे

(IX) पारादीप पत्तन (ओडिशा)

महानदी

- अवस्थिति
  - कटक से 100 किमी दूर
  - महानदी डेल्टा पर
- विशेषता
  - पोताश्रय सबसे गहरा।
  - भारी पोतों के निपटान के लिए अनुकूल।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

❖ प्रमुख उद्देश्य

➤ बड़े पैमाने पर लौह-अयस्क निर्यात।

❖ पृष्ठप्रदेश

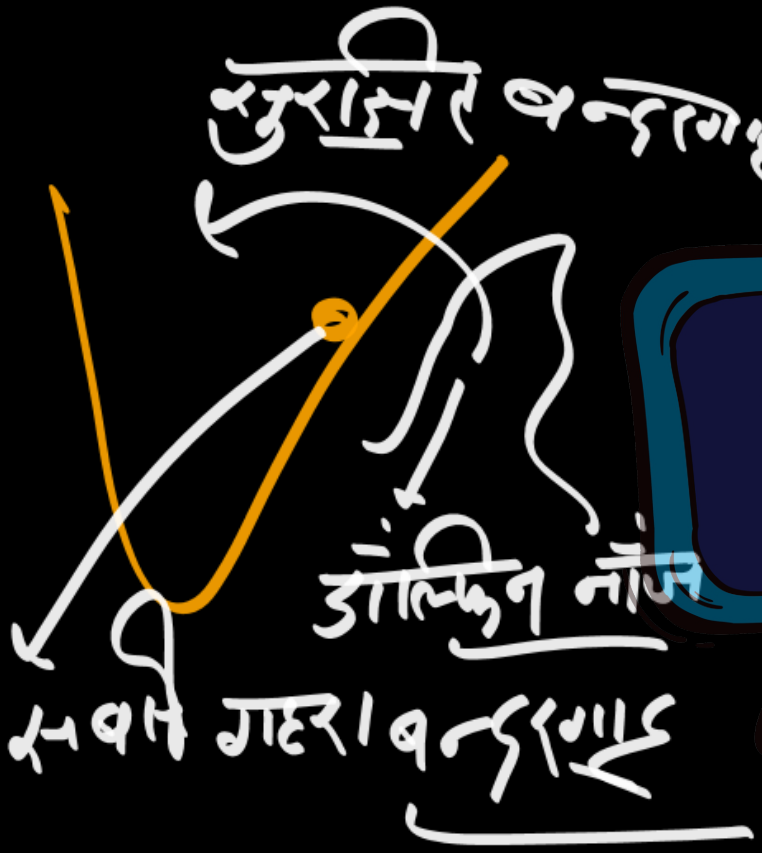
➤ ओडिशा

➤ झारखंड

➤ छत्तीसगढ़

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



(IX) विशाखापट्टनम पत्तन

- आंध्र प्रदेश में स्थित।
- भू-आबद्ध पत्तन।
- ठोस चट्टान एवं बालू काटकर नहर द्वारा समुद्र से जोड़ा गया।
- बाह्य पत्तन का उपयोग
  - लौह-अयस्क
  - पेट्रोलियम
  - सामान्य नौभार

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

❖ प्रमुख पृष्ठप्रदेश

➢ आंध्र प्रदेश

➢ तेलंगाना



विशाखापट्टनम

↳ सबसे गहरा व सबसे सुरक्षित बन्दरगाह

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

(X) चेन्नई पत्तन

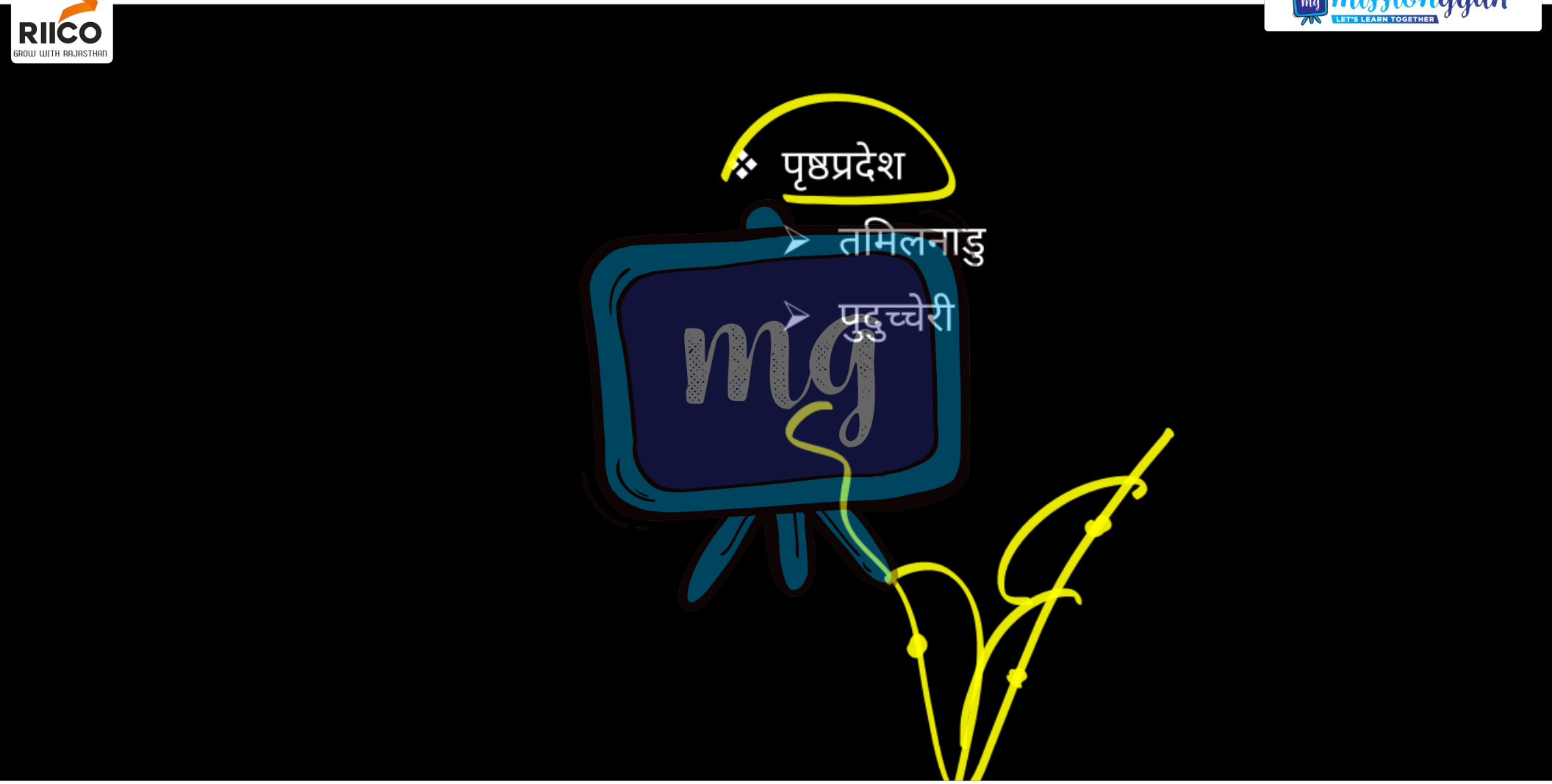
- पूर्वी तट के सबसे पुराने पत्तनों में से एक।
- कृत्रिम पत्तन।
- निर्माण — 1859
- सीमा
  - तट के निकट उथला जल।
  - विशाल पोतों के लिए अनुकूल नहीं।

(X) दक्षिण भारत का सबसे बड़ा बन्दरगाह

(X) भारत में समुद्रतल से ऊँचाई इसी बन्दरगाह से मापी जाती है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

(XI) कामराजार (एन्नोर) पत्तन

- तमिलनाडु में स्थित।
- चेन्नई के उत्तर में 25 किमी दूर।
- चेन्नई पत्तन के दबाव को कम करने हेतु विकसित।

वी. कामराजार (एन्नोर बन्दरगाह)

✗ मुम्बई के विकल्प → पं. जवाहर लाल नेहरू बन्दरगाह

✗ चेन्नई बन्दरगाह के विकल्प → कामराजार पत्तन (एन्नोर) विकसित

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

(XII) वी.ओ. चिदंबरनार / तूतीकोरिन पत्तन

- चेन्नई पत्तन का दबाव कम करने के लिए विकसित।
- प्रमुख नौभार
  - कोयला
  - नमक
  - खाद्यान्न
  - खाद्य तेल
  - चीनी
  - रसायन

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

प्रमुख पत्तनों का Quick Revision Table

पत्तन	प्रमुख विशेषता
दीनदयाल/कांडला	पश्चिम एवं उत्तर-पश्चिम भारत की जरूरतें; मुंबई का दबाव कम
मुंबई	प्राकृतिक एवं देश का सबसे बड़ा पत्तन
जवाहरलाल नेहरू	भारत का विशालतम कंटेनर पत्तन
मुरगाँव	गोवा का प्राकृतिक बंदरगाह; लौह-अयस्क निर्यात
न्यू मंगलौर	लौह-अयस्क एवं लौह-सांद निर्यात
कोच्चि	प्राकृतिक; स्वेज-कोलंबो मार्ग के पास
कोलकाता	हुगली नदी पर; गाद की समस्या
हल्दिया	कोलकाता की संकुलता कम करना
पारादीप	सबसे गहरा पोताश्रय; लौह-अयस्क निर्यात
विशाखापट्टनम	भू-आबद्ध पत्तन
चेन्नई	कृत्रिम पत्तन; 1859
कामराजार	चेन्नई का दबाव कम करना

वायु परिवहन



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

वायु परिवहन की भूमिका

भारत में वायु परिवहन की शुरुआत 1911 में इलाहाबाद से नैनी के बीच हुई।

वायु परिवहन अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

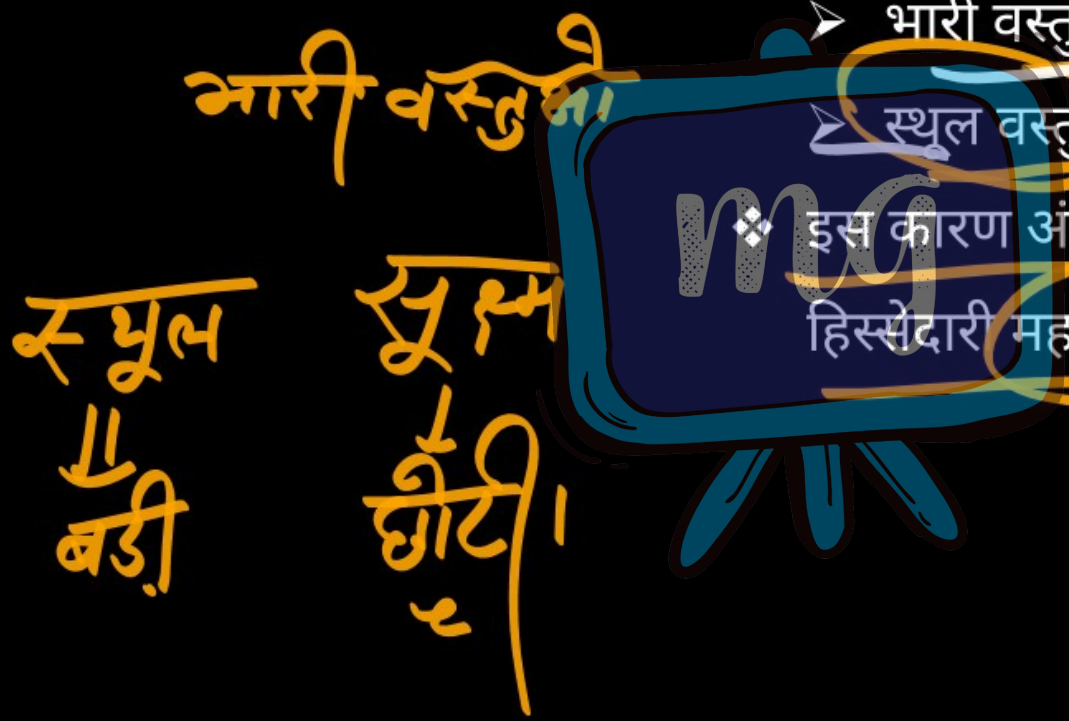
- उपयुक्त वस्तुएँ
  - लंबी दूरी की वस्तुएँ
  - उच्च मूल्य वाली वस्तुएँ
  - नाशवान वस्तुएँ
- प्रमुख लाभ

❖ सीमाएँ

➢ भारी वस्तुओं के लिए महँगा

➢ स्थूल वस्तुओं के लिए अनुपयुक्त

❖ इस कारण अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में वायु परिवहन की हिस्सेदारी महासागरीय मार्गों से कम है।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

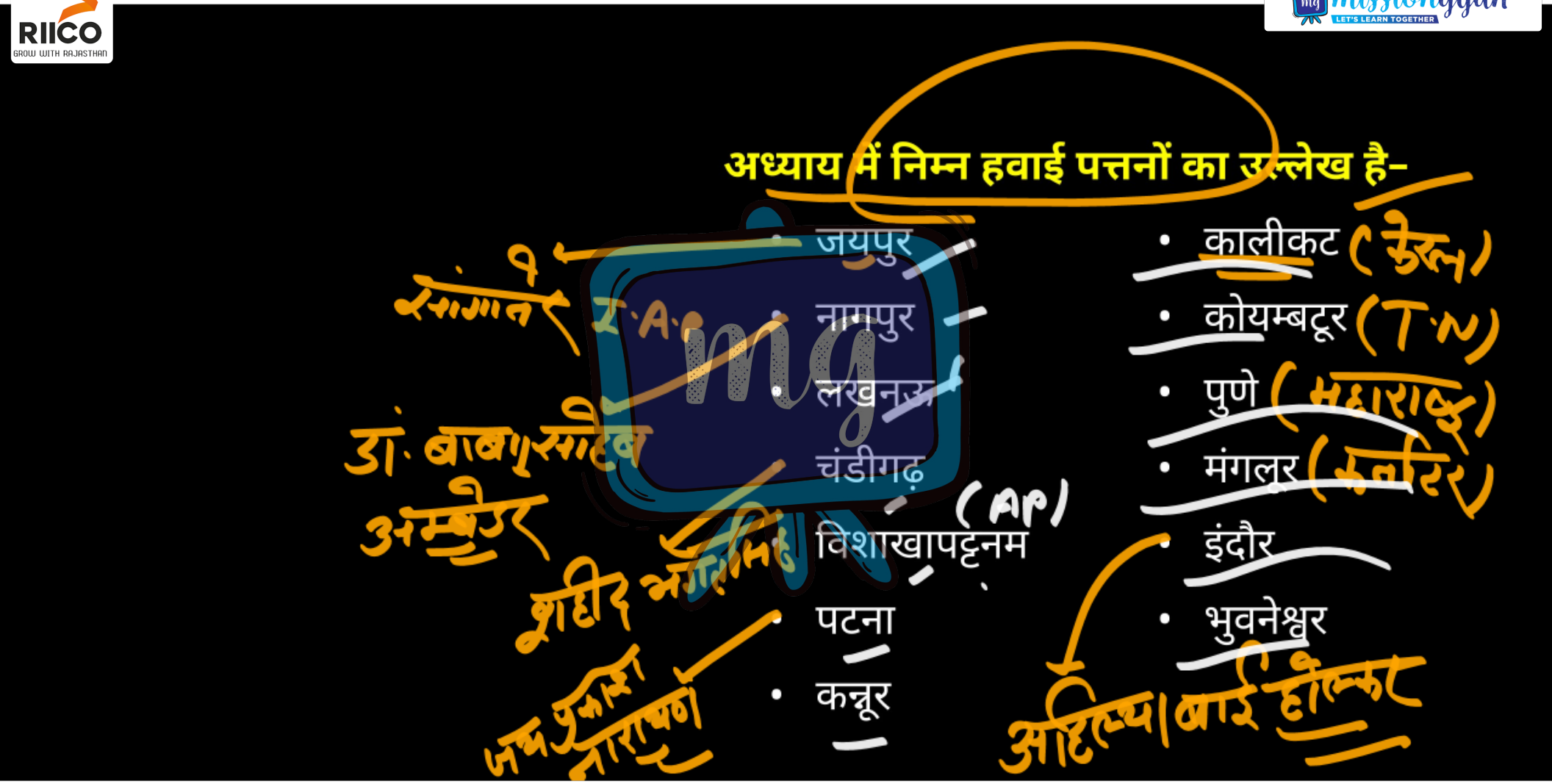
भारत के अंतर्राष्ट्रीय हवाई पत्तन

अध्याय में निम्न हवाई पत्तनों का उल्लेख है-

- अहमदाबाद (गुजरात)
- चेन्नई (तमिलनाडु)
- गोवा
- हैदराबाद (तेलंगाना)
- कोलकाता (प.ब.)
- तिरुवनंतपुरम
- बेंगलुरु (कर्नाटक)
- दिल्ली
- गुवाहाटी (असम)
- कोच्चि (तमिलनाडु)
- मुंबई (महाराष्ट्र)
- श्रीनगर (जम्मू-कश्मीर)

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



अन्य तथ्य

- वार्षिक रिपोर्ट 2016-17 के अनुसार देश में 25 मुख्य हवाई अड्डे कार्य कर रहे थे।
- 2017 के बाद उड़ान योजना के अंतर्गत—
  - 9 हेलीपोर्ट
  - 2 जल हवाई अड्डे

  सहित कुल 73 असेवित/अल्पसेवित हवाई अड्डों को चालू किया गया।


mg


mg


mg


mg


mg